

चिट्ठी का सफर

“देखो एल डाकिटा आया,
साथ में अपना थैला लाया।
खाकी टोपी, खाकी वर्दी,
आकर उराने चिट्ठी दे दी।
संदेशा शादी का आया,
उरामें हन सबको है बुलाया।
सब शादी में जायेंगे।
खूब गिडाई खाएँगे।”



1. कविता में चिट्ठी क्या संदेश लेकर आई है?

2. चिट्ठी कौन लेकर आया?

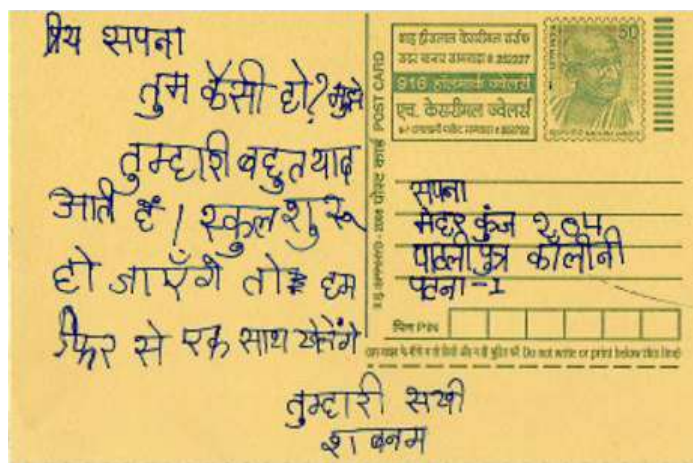
3. आपके मोहल्ले में कहाँ-कहाँ से चिट्ठियाँ आती हैं?

क्या आपको पता है, चिट्ठी एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचती है? आइए। एक ऐसी ही चिट्ठी के सफर के बारे में जानते हैं, जिसे शबनम ने अपनी दोस्त सपना को लिखी।

चिट्ठी का सफर :

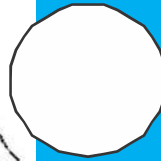
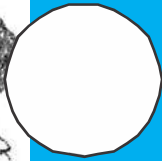
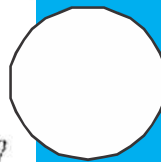
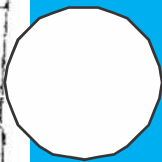
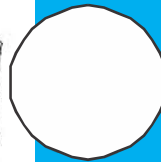
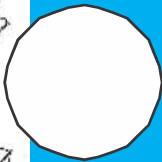
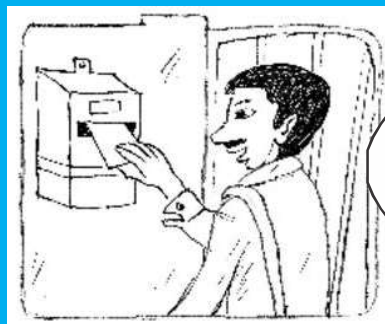
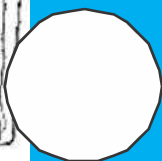
मैं हूँ एक चिट्ठी। जिसे शबनम ने सपना को लिखी। लिखकर उसने मुझे पत्र-पेटी में डाला। डाकिए ने मुझे निकालकर एक बड़े से थैले में डाला। मैं हो गई डाकिए की साइकिल पर सवार और पहुँची डाकघर। वहाँ मुझे थैले से निकाला और मुझ पर एक जोर का ठप्पा लगाया। ठप्पा था आरा का। और यहाँ से शुरू हुआ मेरा सफर।

ठप्पे के बाद पहुँची मैं दूसरे थैले में। इसमें अनेक चिट्ठियाँ थीं, ये सब पटना जा रही थीं। डाकघर की लाल गाड़ी से मैं रेलवे-स्टेशन पहुँची। वहाँ से मैं पटना जानेवाली रेलगाड़ी में चढ़ी।



दो घंटे के बाद मैं पटना पहुँची। वहाँ के डाकघर में पत्र पर लिखे पते के अनुसार फिर से हुई मेरी छँटाई और फिर लगा ठप्पा। इसके बाद डाकिये ने मुझे सपना के घर पहुँचा दिया।

4. नीचे रीना की चिट्ठी का सफर चित्रों में दिया गया है। पर ये सारे आगे-पीछे हो गए हैं। इनका क्रम सोचिए और उसके अनुसार चित्रों के नीचे सही नम्बर डालिए।

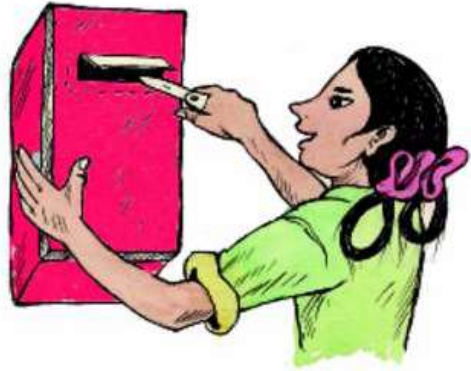


आप भी चिट्ठी लिखिए :

क्या आपने कभी चिट्ठी लिखी है, जैसे शबनम ने अपनी दोस्त सपना को लिखी। एक चिट्ठी आप अपनी कक्षा में किसी दोस्त को लिखिए। और हाँ! चिट्ठी के ऊपर अपने दोस्त का नाम जरूर लिखिएगा।

सब ने चिट्ठी तो लिख दी, पर डालेंगे किसमें?

1. कूट का एक डिब्बा लीजिए।
2. डिब्बे को लाल रंग से रंग दीजिए या उस पर लाल कागज चिपका दीजिए।
3. अब डिब्बे के ढक्कन को कैंची से इतना काटिए कि चिट्ठी उसमें चली जाए।



लो हो गई तैयार पत्र-पेटी :

आप सभी एक-एक करके अपनी लिखी चिट्ठियाँ इस पत्र-पेटी में डाल दीजिए। अब एक बच्चा डाकिया बनकर पत्र-पेटी से सभी चिट्ठियों को निकाले एवं बच्चों को उनकी चिट्ठियाँ बाँट दें।

अच्छा लगा दोस्त की चिट्ठी पढ़कर?

चिट्ठियाँ व उनके टिकट :

4. जैसे आपने अपने दोस्त को चिट्ठी लिखी वैसे ही आपके घर पर भी दोस्त एवं रिश्तेदारों की चिट्ठियाँ भी आती होंगी। घर से ऐसी कुछ चिट्ठियों को इकट्ठा करके देखिए।

(i) क्या सभी चिट्ठियों पर टिकट लगे हैं?

(ii) क्या सभी टिकट एक जैसे हैं?

(iii) उनमें क्या अंतर हैं?

(iv) क्या सभी चिट्ठियों पर डाकघर का ठप्पा लगा है? यदि हाँ, तो ज़िाने ठप्पे लगे हैं?

(v) इकट्ठी की हुई चिट्ठियों पर लगे टिकटों को ध्यान से अलग कीजिए व नीचे चिपकाइए।

5. एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश पहुँचाने के और क्या-क्या तरीके हो सकते हैं?

6. इन चिट्ठियों के अलावा क्या डाकिया कुछ और भी लाता है?

चिट्ठियों के अलावा हम लोग तार, मोबाईल, फोन, ई-मेल से भी संदेश भेजने लगे हैं। इन साधनों से संदेश बहुत जल्दी पहुँचते हैं।

7. आपको संदेश भेजने का कौन-सा तरीका अच्छा लगता है?

